मुक्तिबोध के कथा-साहित्य में मध्यवर्ग और फैंटेसी

(एम० फिल० उपाधि के लिए प्रस्तुत लघु शोध-प्रबन्ध)

शोध-निर्देशक :

डा० मैनेजर पाण्डेय

शोधकर्ता :

विजय कुमार

भरतीय भाषा केन्द्र

भाषा संस्थान

जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय

नई दिल्ली-110067

1992

अनुक्रम

क्र० संख्या		पृ० संख्या
	प्राक्कथन	-
	प्रथम अध्याय	
	मध्य वर्ग का उदय, मध्यवर्गीय चेतना और हिन्दी साहित्य	001-031
1.	वर्ग और उसका आधार	
2.	मध्यवर्ग का उदय	
3.	मध्यवर्गीय चेतना	
4.	भारतीय मध्यवर्ग का उदय और हिन्दी साहित्य	
5.	स्वातंत्र्योत्तर भारत में मध्य वर्ग: स्थिति, चेतना और हिन्दी साहित्य	
	द्वितीय अध्याय	
	मुक्तिबोध के कथा-साहित्य में मध्यवर्ग	032-065
1.	मध्यवर्गीय परजीवीपन	
2.	मध्यवर्गीय छद्म विद्रोह	
3.	मध्यवर्गीय अन्तर्द्वन्द्व	
4.	मध्यवर्गीय पारिवारिक जीवन: स्थिति, चेतना और परिवर्तन	
	तृतीय अध्याय	
	फैंटेसी : उदय, विकास और स्वरूप	066-094
1.	फैंटेसी की संकल्पना: उदय और विकास	
2.	व्युत्पत्तिपरक परिभाषा और स्वरूप	
3.	स्वप्न और फैंटेसी	
4.	स्वप्न : दिवास्वप्न : फैंटेसी	
5.	फैंटेसी	
6.	रचनात्मकता और फैंटेसी	
7.	फैंटेसी : सूक्ष्म, यथार्थवादी अवधारणा	
8.	फैंटेसी का मूल्यांकन	

चतुर्थ अध्याय

मुक्तिबोध के कथा-साहित्य में फैंटेसी 095-127

1. फैंटेसी : मुक्तिबोध की अवधारणा
2. मुक्तिबोध के कथा साहित्य में फैंटेसी
3. मुक्तिबोध के कथा साहित्य में फैंटेसी की प्रकृति एवं विशेषताएं
4. मुक्तिबोध के कथा-साहित्य एवं काव्य में फैंटेसी के सम्बंध का स्वरूप

उपसंहार 128-146

ग्रंथ सूची 147-149

...0...